Lecture on AQAR- Divisional level workshop at Swarupanand College , Bhilai

कार्यशाला • स्वामी स्वरूपानंद महाविद्यालय में नैक मूल्यांकन पर हुआ आयोजन

शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, मानव अधिकार और पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाना जरूरी : डॉ. घनश्याम

एजुकेशन रिपोर्टर | भिलाई

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से मूल्यांकन करना एक ऐसा अभियान है, जिसके लिए हमें तैयार रहना है। अपनी संस्था को रोजगारपरक व मूल्यों की शिक्षा प्रदान करने वाले महाविद्यालय के रूप में स्थापित करना है। विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, मानव अधिकार, पर्यावरण के प्रति संचेतना विकसित करना होगा। हमें विद्यार्थियों को लोकल से ग्लोबल की ओर ले जाना है। यह बातें नैक मूल्यांकन के विभिन्न बिंदुओं की जानकारी देने क्षेत्रीय उच्च शिक्षा विभाग की ओर से स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज में हुई कार्यशाला में ओएसडी उच्च शिक्षा डॉ. जीए घनश्याम ने कहीं।

प्राचार्यों और निदेशकों को जानकारियां दी ।

पाठ्यक्रम को उद्योगों की जरूरत के अनुसार बनाना होगा : कार्यक्रम में अपर संचालक क्षेत्रीय कार्यालय उच्च शिक्षा डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी ने कहा कि छग में 90 प्रतिशत शासकीय महाविद्यालय का नैक मूल्यांकन हो चुका है। शेष प्रक्रिया में है। एक्यूएआर ही हमें एसएसआर में बदलेगा। नैक में सात बिंदु हैं। इन्हीं के आधार पर तैयारी करनी है। इसी के हिसाब से पाठ्यक्रम अकादमिक कैलेंडर को बनाना होगा।

कमियों को जानने मिलेगा अवसर : डॉ. शर्मा

कॉलेज के मुख्य कार्यकारिणी अधिकारी डॉ. दीपक शर्मा ने कहा कि नैक मूल्यांकन से कमियों को जानकर उसे दूर कर सकते हैं। अच्छा ग्रेड प्राप्त कर सकते है। अपनी गलतियों को सुधारते हुए आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम में प्रज्ञा कुलकर्णी, डॉ. शमा ए बेग, डॉ. यास्मीन परवेज, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. अनिता शाह, डॉ. सपना शर्मा सारस्वत ने नैक मूल्यांकन के विभिन्न क्राइटेरिया के बारे में जानकारी दी।

वेल्यू एडेड कोर्स ज्यादा आसान : डॉ. सिंह

समापन सत्र के मुख्य अतिथि साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने कहा कि एड ऑन कोर्स अब हटा दिया गया है। इसके स्थान पर वेल्यू एडेड कोर्स को रखा गया है। यह 30 घंटे का होना चाहिए। इसे कोई भी महाविद्यालय आसानी से करा सकता है। प्रमाण पत्र एवं डिप्लोमा कोर्स के लिए विवि या उच्च शिक्षा विभाग का अनुमति जरूरी है। कॉलेज का माहौल साज-सज्जा पर भी विद्यार्थियों को फीड बैक देंगे। इससे पहले प्राचार्य डॉ. हंसा शुक्ला ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को बताया।

Lecture & Performance on National Seminar organized by IKSVV Khairagarh

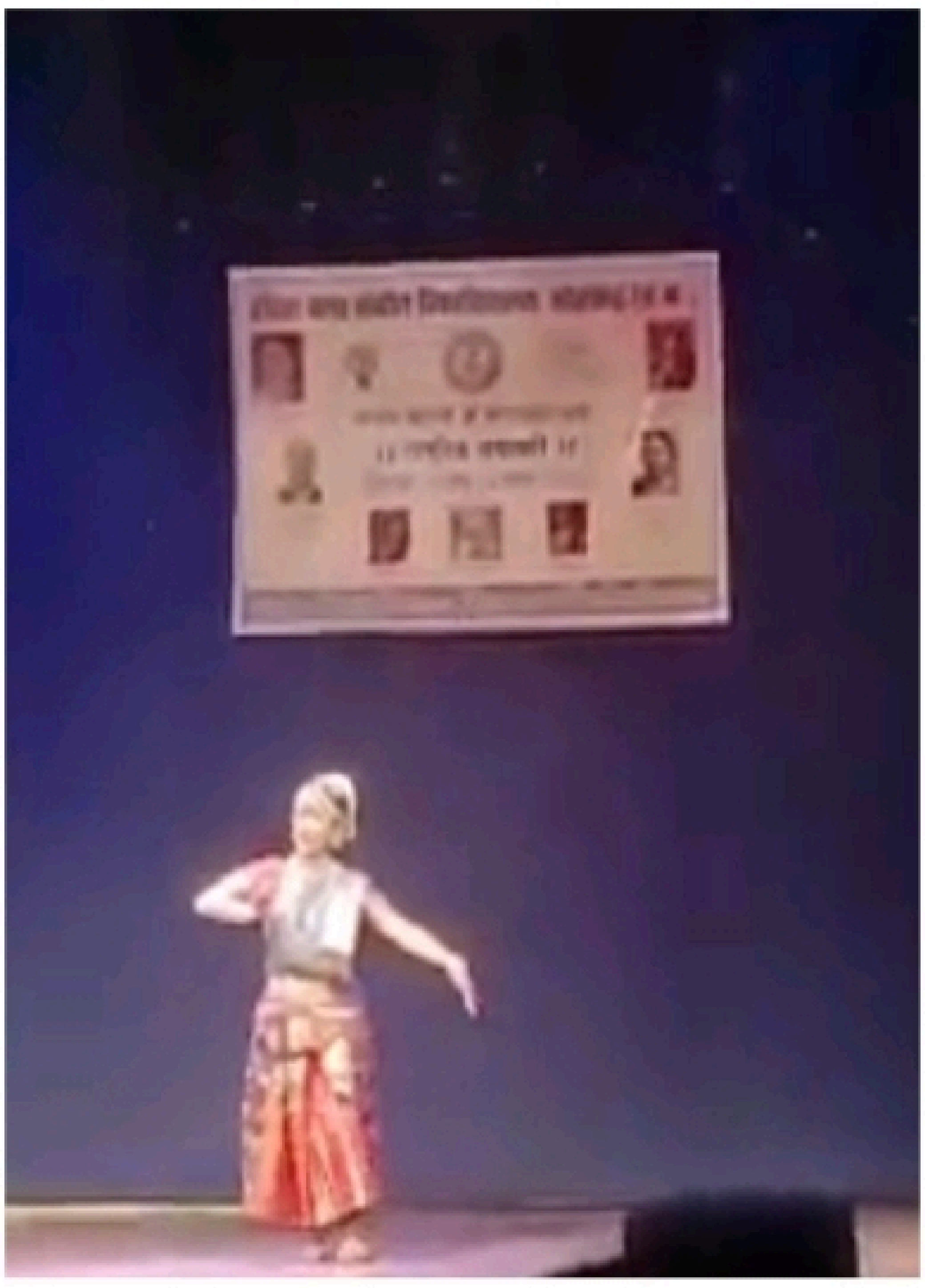

विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भरतनाट्यम् नृत्य विभाग द्वारा आयोजित है संगोष्ठी

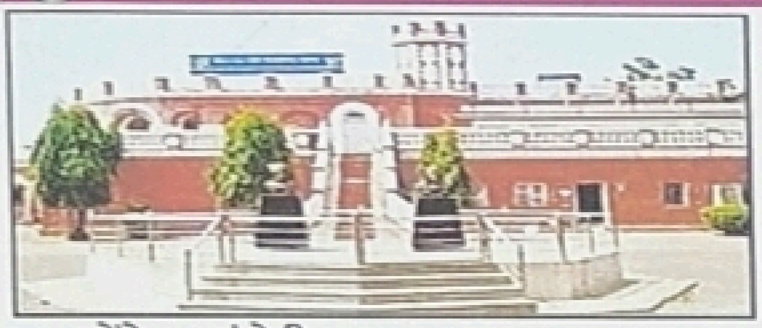

जनधारा समाचार

खैरागढ़। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में सोमवार 13 मार्च से मंगलवार 14 मार्च तक भरतनाट्यम् नृत्य विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है. विश्वविद्यालय के भरतनाट्यम विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ.एस.मेदिनी होम्बल ने बताया कि आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्र भारत में भरतनाट्यम् विषय पर इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में 13 मार्च सोमवार से मंगलवार 14 मार्च तक भरतनाट्यम् नृत्य विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है और ये संगोष्ठी जिलाधीश कार्यालय के सामने विश्वविद्यालय के कैम्पस 2 स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित हो रही है।

गौरतलब है कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की संरक्षिका विश्वविद्यालय की कुलपति पद्मश्री डॉ.मोक्षदा (ममता) चन्द्राकर है। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो.आई.डी. तिवारी व संगोष्ठी की संयोजिका विश्वविद्यालय के नृत्य संकाय की अधिष्ठाता प्रो.डॉ. नीता गहरवार विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र सोमवार 13 मार्च को सुबह 10.30 से 11.30 बजे तक संपन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में स्वागत उद्बोधन नृत्य संकाय की अधिष्ठाता डॉ.नीता गहरवार ने दिया। मुख्य अतिथि के रूप में आत्मलय संस्थान बैंगलोर की अध्यक्ष डॉ.पद्मजा सुरेश उपस्थित थी। अध्यक्षता इं.क.सं.वि.वि. की कुलपति डॉ. मोक्षदा (ममता चंद्राकर ने की। आभार भरतनाट्यम् विभाग की सहा.प्राध्यापिका डॉ.एस. मेदिनी होम्बल ने किया। संगोष्ठी के पहले दिन तकनीकी सत्र सुबह 11.30 से दोपहर 2 बजे तक संपन्न हुआ। तकनीकी सत्र में अध्यक्षता डॉ.पद्मजा सुरेश ने की वही विषय विशेषज्ञ के रूप में दुर्ग की डॉ.ऋचा ठाकुर, डॉ. एस.मेदिनी होम्बल व आमंत्रित शोधार्थी एवं अन्य उपस्थित रहे. राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिन सोमवार की शाम 6 बजे से प्रस्तुति सत्र में डॉ. पद्मजा सुरेश व डॉ. ऋचा ठाकुर ने अपनी प्रस्तुति दी। संगोष्ठी के दूसरे व अंतिम दिन तृतीय सत्र मंगलवार 14 मार्च को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक संपन्न होगा। इस सत्र में विशेषज्ञ के रूप में पटना की श्रीमती सुदीपा बोस, अतिथि व्याख्याता होरिल गौर व आमंत्रित शोधार्थी एवं अन्य उपस्थित रहेंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का अंतिम चतुर्थ सत्र अर्थात प्रस्तुति सत्र मंगलवार 14 मार्च की शाम 6 बजे से प्रारंभ होगा। इस सत्र में कलाकार के रूप में डॉ. लता सिंह मुंशी व सुदीपा बोस उपस्थित रहकर अपनी खूबसूरत प्रस्तुति देंगी. इस अंतिम सत्र में आशीर्वचन के रूप में विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. ममता चंद्राकर उपस्थितजनों को संबोधित करेंगी।

विश्वविद्यालय के भरतनाट्यम विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ.एस.मेदिनी होम्बल ने भरतनाट्यम विभाग में अध्यनरत समस्त छात्रों, शोधार्थियों एवं पत्रकार बंधुओ से संगोष्ठी कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की है।

Lecture on Classical dances of India organized by Seth Badrilal College Durg

SETH BADRILAL KHANDELWAL SHIKSHA MAHAVIDYALAY, DURG

Recognised by NCTE New Delhi
Affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg(C.G.)

One Day Dance and Music Workshop

Date-04/05/2023

Er. Praveen Chandra Tiwari
President
Zila Shikshan Samiti, Durg (C.G.)

Mr. Dilip Ingle
Secretary
Zila Shikshan Samiti, Durg (C.G.)

Dr. Umakanti Singh
Principal

Dr. Richa Jyotindra Thakur
Professor-Bharat Natyam
Govt. Dr. W.W. Patankar Girls College, Durg

Smt. Archana Shadangi
Sports Officer

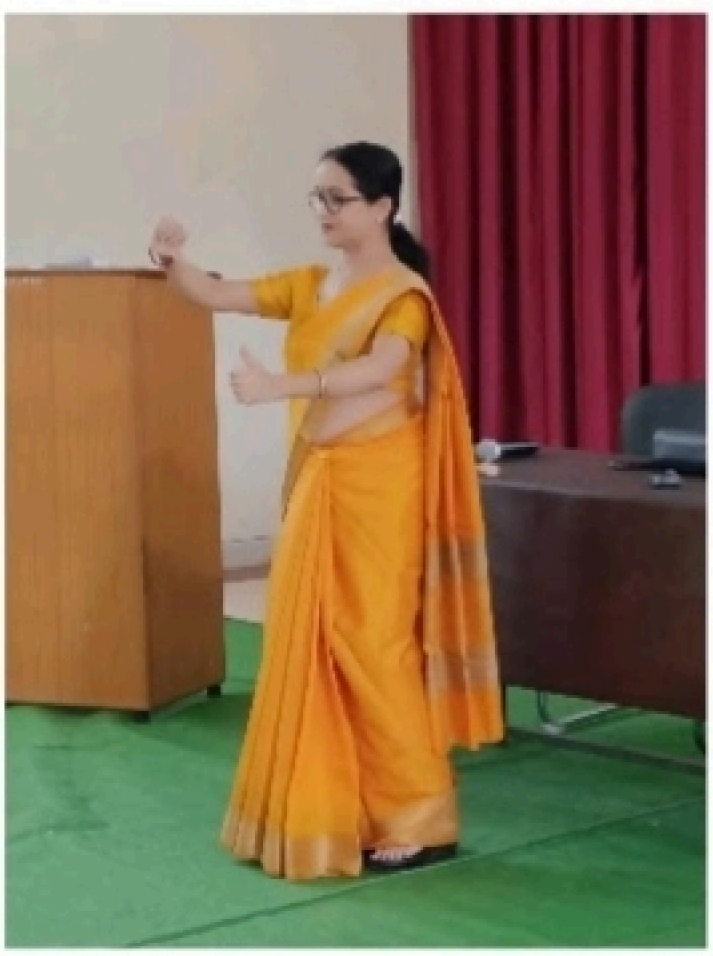

संगीत नृत्य पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दुर्ग। सेठ बद्रीलाल खंडेलवाल शिक्षा महाविद्यालय में बीएड के द्वितीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों के लिए एक दिवसीय भारतीय संगीत एवं नृत्य के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें अतिथि रिचा ज्योतिन्द्रा ठाकुर प्राध्यापिका (भारतनाट्यम), डॉ.वा.वा. पाटनकर कन्या पी.जी. महाविद्यालय द्वारा भारतीय संगीत एवं नृत्य विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने छात्राध्यापकों को नृत्य एवं संगीत की बारीकियों को समझाया। नृत्य के आठ प्रकारों के बारे में बताया एवं नृत्य के भावों को अभ्यास के माध्यम से जानकारी प्रदान की। हर मुद्राओं का अर्थ स्पष्ट किया। नृत्य के मुख्य चार अभिनय की व्याख्या की। आठ तरह के शास्त्रीय नृत्य के बारे में जानकारी प्रदान की। भरत नाट्यम की विभिन्न मुद्राओं की विस्तृत जानकारी दी। कथकली के नख से शिख तक के सभी भावों की जानकारी दी। उत्तर प्रदेश की कुचीपुड़ी नृत्य की जानकारी प्रदान की। ओडसी नृत्य, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, शास्त्रीय नृत्य शैली, छाऊ नृत्य शैली की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला शिक्षण समिति के अध्यक्ष प्रवीन चंद्र तिवारी एवं सचिव दिलीप इंगले ने उपरोक्त कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अर्चना षड़ंगी ने किया।

Lecture on AQAR- organized by

GHANSHYAM SINGH ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg (CG) India
UGC Act 12-B, Under section 2(f) AISHE C-21717
Accredited With B Grade By NAAC Bengaluru

Guest Lecture on

"NAAC- AQAR"

BY

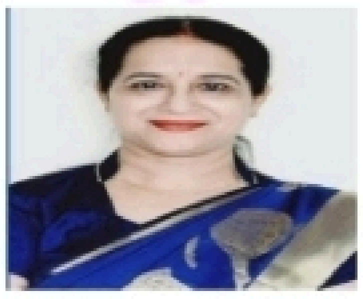

Dr. Richa Thakur

Professor (Arts Department)
Qualification:- M.A. ,Ph.D. (BharatNatyam)
Govt. Dr. W. W. Patankar Girls' PG College, Durg

On 22th November, 2023
At Seminar Hall

From 12.30 NOON
ORGANISED BY : IQAC